भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
22.07.2026 के
अतारांकित प्रश्न सं. 624 का उत्तर

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के अंतर्गत रेलवे स्टेशनों के लिए पैदल पार पथ

624. श्री सुधाकर सिंह:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार इस बात से अवगत है कि पूर्व मध्य रेलवे ज़ोन के दानापुर मंडल के अंतर्गत डुमरांव रेलवे स्टेशन और पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के अंतर्गत करमनशा तथा मोहम्मद गंज रेलवे स्टेशन पर पैदल पार पथ (एफओबी) की उचित व्यवस्था न होने के कारण यात्रियों को प्लेटफॉर्म पार करने में गंभीर कठिनाइयों और दुर्घटनाओं के जोखिम का सामना करना पड़ता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इन स्टेशनों पर दैनिक रूप से बड़ी संख्या में ग्रामीण यात्री, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और छात्र आवागमन करते हैं, जिनके लिए सुरक्षित पैदल आवाजाही अनिवार्य है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या उपरोक्त तीनों स्टेशनों पर एफओबी के निर्माण के लिए कोई सर्वेक्षण, प्रस्ताव या स्वीकृति प्रदान की गई है; और

(घ) इसकी वर्तमान स्थिति क्या है और यदि नहीं, तो इन स्टेशनों को प्राथमिकता सूची में शामिल न करने के क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): पूर्व मध्य रेलवे के डुमरांव, कर्मनाशा और मोहम्मद गंज रेलवे स्टेशनों पर ऊपरी पैदल पुल मौजूद हैं। इनका ब्यौरा निम्नानुसार है:

स्टेशन	ऊपरी पैदल पुलों का ब्यौरा
डुमरांव	एक ऊपरी पैदल पुल पहले से ही मौजूद है और एक 6 मीटर चौड़े

	ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।
कर्मनाशा	एक ऊपरी पैदल पुल पहले से ही मौजूद है और एक अतिरिक्त 3 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है।
मोहम्मद गंज	एक ऊपरी पैदल पुल पहले से ही मौजूद है और एक 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है।

बिहार में स्थित पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के डुमरांव स्टेशन और झारखंड में स्थित पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मोहम्मद गंज स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किया गया है। डुमरांव और मोहम्मद गंज स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं।

डुमरांव स्टेशन पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल आदि की सुविधाएं मौजूद हैं। नए मुख्य प्रवेश द्वार स्टेशन भवन, नए प्लेटफॉर्म, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, नए 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल का प्रतिस्थापन के लिए भी कार्य स्वीकृत किया गया है।

मोहम्मद गंज स्टेशन पर ऊंचे स्तर के प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल आदि सुविधाएं मौजूद हैं। नए स्टेशन भवन के कार्य, प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2/3 और 4/5 की ऊंचाई बढ़ाने और विस्तार करने के कार्य पूरा किए जा चुके हैं। नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, नए शौचालय ब्लॉक, प्रवेश द्वार और नए 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

बिहार में स्थित पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के कर्मनाशा स्टेशन पर ऊंचे स्तर के प्लेटफॉर्म, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय, पेयजल व्यवस्था, मूत्रालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, ऊपरी पैदल पुल, दिव्यांगजन शौचालय आदि सुविधाएं मौजूद हैं। एक अतिरिक्त 3

मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है और इस संबंध में निविदा प्रक्रिया शुरू की गई है।

इसके अलावा, भारतीय रेल पर ऊपरी पैदल पुल के प्रावधान सहित स्टेशनों का विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को आवश्यकता के अनुसार, प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन किया जाता है। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण के लिए कार्यों की स्वीकृति और निष्पादन के समय निचली श्रेणी के स्टेशनों की तुलना में उच्च श्रेणी के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरूआत की है। अभी तक अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए 1340 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से पूर्व मध्य रेलवे के दानापुर मंडल के डुमरांव स्टेशन सहित 98 स्टेशन बिहार राज्य में स्थित हैं और पूर्व मध्य रेलवे के पंडित दीन दयाल उपाध्याय मंडल के मोहम्मद गंज स्टेशन सहित 57 स्टेशन झारखंड राज्य में स्थित हैं।

बिहार और झारखंड राज्यों में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के स्टेशन-वार नाम इस प्रकार हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	98	अनुग्रह नारायण रोड, आरा, अररिया कोर्ट, बख्तियारपुर, बांका, बनमनखी, बापूधाम मोतिहारी, बरहिया, बरौनी, बरसोई जं, बेगूसराय, बेतिया, भभुआ रोड, भागलपुर, भगवानपुर, बिहार शरीफ, बिहिया, बिक्रमगंज, बक्सर, चकिया, चौसा, छपरा, दलसिंह सराय, दरभंगा, दौरम मधेपुरा, देहरी ऑन सोन, ढोली, दिघवारा, डुमरांव, दुर्गावती, एकमा, फतुहा, गया, घोड़ासहन, गुरारू, हाजीपुर जं., जमालपुर, जमुई, जनकपुर रोड, जयनगर, जेहानाबाद, झांझरपुर, कहलगांव, करहागोला रोड, कटिहार, खगड़िया

		जं., किशनगंज, कुदरा, लाभा, लहेरिया सराय, लखमिनिया, लखीसराय, मधुबनी, महेशखुंट, मैरवा, मानसी जं., मशरख, मोकामा, मोतीपुर, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, नबीनगर रोड, नरकटियागंज, नौगछिया, नवादा, पहाड़पुर, पाटलीपुत्र, पटना, पीरो, पीरपैंती, रफीगंज, रघुनाथपुर, राजेन्द्र नगर, राजगीर, राम दयालु नगर, रक्सौल, सबौर, सगौली, सहरसा, साहिबपुर कमाल, सकरी, सलौना, सलमारी, समस्तीपुर, सासाराम, शाहपुर पटोरी, शिवनारायणपुर, सिमरी बख्तियारपुर, सिमुलतला, सीतामढ़ी, सीवान, सोनपुर जं, सुल्तानगंज, सुपौल, तारेगना, ठाकुरगंज, थावे
झारखंड	57	बालसिरिंग, बानो, बरजामदा जं, बरकाकाना, बासुकीनाथ, भागा, बोकारो स्टील सिटी, चाईबासा, चक्रधरपुर, चांडिल, चंद्रपुरा, डाल्टनगंज, डांगोपोसी, देवघर, धनबाद, दुमका गोड्डा, गोबिंदपुर रोड, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, धनबाद, दुमका, गम्हरिया, गंगाघाट, गढ़वा रोड, गढ़वा टाउन, घाटशिला, गिरिडीह, गोड्डा, गोबिंदपुर रोड, हैदरनगर, हटिया, हजारीबाग रोड, जामताड़ा, जापला, जसीडीह जं, कटरासगढ़, कोडरमा जं, कुमारडुबी, लातेहार, लोहरदगा, मधुपुर जं, मनोहरपुर, मोहम्मदगंज, मुरी जं, एन.एस.सी.बी. जं., गोमोह, नगर उंटारी, नामकोम, ओर्गा, पाकुड़, पारसनाथ, पिस्का, राजखरसवां, राजमहल, रामगढ़ कैंट, रांची जंक्शन, साहिबगंज, शंकरपुर, सिल्ली, सिनी, टाटानगर, टाटीसिलवे, विद्यासागर

<u>स्टेशन जहां कार्य पूरे किए गए हैं:</u>

बिहार और झारखंड राज्यों में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से किए जा रहे हैं। बिहार और झारखंड में कार्य संपन्न स्टेशनों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
बिहार	8	बनमनखी, दौरम मधेपुरा, कहलगांव, पीरपैंती, सबौर, शिवनारायणपुर, सिमुलतला, थावे
झारखंड	15	चाईबासा, चांडिल, गिरिडीह, गोड्डा, गोविंदपुर रोड, कटरासगढ़, लोहरदगा, मधुपुर जंक्शन, मुरी जंक्शन, पाकुड़, पिस्का, राजमहल, रामगढ़ छावनी, साहिबगंज, शंकरपुर

अन्य स्टेशनों पर विकास संबंधी कार्यकलाप भी तेज गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति नीचे दी गई है:

<u>बिहार:</u>

- **गया स्टेशन: दूसरे नए प्रवेश आगमन भवन का कार्य पूरा कर लिया गया है। द्वितीय नए प्रवेश प्रस्थान भवन, मुख्य प्रवेश द्वार नए आगमन और प्रस्थान भवन, नया प्लेटफॉर्म संख्या 8, नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, एयर कॉनकोर्स और परिचलन क्षेत्र के सुधार के कार्य किए गए हैं।**

- **लखीसराय जंक्शन स्टेशन: नए मुख्य प्रवेश स्टेशन भवन का कार्य, ऊपरी पैदल पुल का विस्तार और परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य पूरा कर लिया गया है। मौजूदा ऊपरी पैदल पुल के लिए लिफ्ट की संस्थापना का कार्य शुरू कर दिया गया है।**

- **फतुहा स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 6 का विस्तार, दूसरे प्रवेश द्वार परिचलन क्षेत्र और पहुंच मार्ग के सुधार के कार्य पूरे किए जा चुके हैं। नए स्टेशन भवन, लिफ्टों और एस्केलेटरों के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।**

- **अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1/2 और 3/4 का विस्तार और सतह संबंधी कार्य और नए शौचालय ब्लॉक के कार्य पूरा किए जा चुके हैं। स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, प्रवेश/निकास द्वार, नए पानी बूथ, प्लेटफॉर्म शेल्टर और नए 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।**

- **डेहरी ऑन सोन जंक्शन स्टेशन: नए बुकिंग कार्यालय, लिफ्टों के साथ नए ऊपरी पैदल पुल के कार्य, परिचलन क्षेत्र में सुधार कार्य, नए शौचालय ब्लॉक, नए पानी के बूथ और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर के कार्य शुरू किए गए हैं।**

<u>झारखंड:</u>

- **रांची स्टेशन: दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का कार्य, नया प्लेटफॉर्म संख्या 6 और विस्तारित 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का संरचनात्मक कार्य पूरा किया जा चुका है। दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन का फिनिशिंग कार्य और 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल का विस्तार, प्रवेश द्वार प्रांगण का कार्य, नए प्लेटफॉर्म संख्या 6 पर नए प्लेटफॉर्म शेल्टर, परिचलन क्षेत्र में सुधार और दूसरे प्रवेश द्वार पर पार्किंग, नया 6**

मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, भूमिगत जलाशय और अपशिष्ट उपचार संयंत्र के कार्य शुरू किए गए हैं।

- जपला स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र और चाहरदीवारी के सुधार का कार्य पूरा कर लिया गया है। नए प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर, नए शौचालय ब्लॉक, अतिरिक्त पानी के बूथ और नए ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- डाल्टनगंज स्टेशन: प्लेटफॉर्म संख्या 1, 2 और 3 की ऊंचाई बढ़ाने और सतह संबंधी कार्य, स्टेशन भवन में सुधार, परिचलन क्षेत्र में सुधार, पार्किंग, पहुंच मार्ग, नई चाहरदीवारी, शौचालय ब्लॉक का कार्य पूरा किया जा चुका है। प्रवेश द्वार, नया प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर और 12 मीटर लंबे ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- नागर उंटारी स्टेशन: परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुंच मार्ग और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर का सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। स्टेशन भवन का सुधार कार्य, प्लेटफॉर्म की सतह संबंधी सुधार कार्य और 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल के कार्य शुरू किए गए हैं।

- लातेहार स्टेशन: स्टेशन भवन का सुधार कार्य, परिचलन क्षेत्र का सुधार कार्य, पार्किंग, पहुंच मार्ग, नई चाहरदीवारी, प्रांगण, नया प्रतीक्षालय, शौचालय ब्लॉक, प्लेटफॉर्म की सतह संबंधी सुधार का कार्य पूरा किया जा चुका है। 12 मीटर ऊपरी पैदल पुल और नए प्लेटफॉर्म शेल्टर के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणबद्ध रूप में कार्यान्वित करना शामिल है। मास्टर प्लानिंग में निम्नानुसार शामिल हैं:

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- शहर के दोनों किनारों के साथ स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, पानी के बूथों में सुधार कार्य
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप का प्रावधान

- **प्लेटफॉर्म सतह और प्लेटफॉर्म पर कवर का सुधार/प्रावधान**
- **एक स्टेशन एक उत्पाद जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान**
- **पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल एकीकरण**
- **दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं**
- **बेहतर यात्री सूचना प्रणाली**
- **प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एग्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामित स्थान, भूसुदर्शनीकरण आदि का प्रावधान।**

इस योजना में आवश्यकतानुसार, चरणबद्ध एवं व्यवहार्य रूप से पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों की व्यवस्था आदि और दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल है और इसके लिए दमकल विभाग, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी लंबे समय से परिचालित किए जा रहे हैं अतः इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करने, (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों का परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं।

देशभर में रेल परियोजनाओं/कार्यों के संबंध में औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार के प्रस्ताव/अनुरोध/सुझाव/अभ्यावेदन रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलवे, मंडल कार्यालय आदि सहित विभिन्न स्तरों पर राज्य सरकारों, संसद सदस्यों, केंद्र सरकार के मंत्रालयों, निर्वाचित प्रतिनिधियों, रेलवे की अपनी आवश्यकताओं, संगठनों/रेल उपयोगकर्ताओं आदि द्वारा उठाई गई मांगों के आधार पर प्राप्त होते हैं। इस तरह के प्रस्तावों/अनुरोधों/सुझावों/अभ्यावेदनों की प्राप्ति सतत और चलायमान प्रक्रिया है और समय-समय पर इनकी जांच की जाती है तथा यथोचित और युक्तिपूर्ण होने पर कार्रवाई की जाती है।

अमृत भारत स्टेशन योजना सहित स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण को सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएं' के तहत वित्तपोषित किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के तहत आवंटन और व्यय के ब्यौरा क्षेत्रीय रेलवे-वार रखे जाते हैं, न कि कार्य-वार या स्टेशन-वार या राज्य-वार।

बिहार राज्य चार रेलवे जोन अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,543 करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है, जिसमें से अभी तक (जून, 2026 तक) 677 करोड़ रु. का व्यय उपगत किया गया है।

झारखंड राज्य चार रेलवे जोन अर्थात्, मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आता है। इन जोनों के लिए, वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,199 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, जिसमें से अभी तक (जून, 2026 तक) 526 करोड़ रुपये का व्यय उपगत किया गया है।

*****